आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 19.08.2025 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की।
- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने कोटा–बूंदी में नया ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- अंडमान तथा निकोबार बेसिन में तेल और गैस अन्वेषण के लिए खुला रकबा लाइसेंसिंग नीति–एक्स के अंर्तगत चार ब्लॉक आवंटित किए है।
- रंगत खाड़ी में पुलिस ने मछुआरों को बचाया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी ने कल नई दिल्ली में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी महत्वपूर्ण यात्रा करने के बाद, व्यक्ति को एक बदलाव महसूस होना चाहिए और उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि अंतरिक्ष यात्री इस परिवर्तन को कैसे समझते और अनुभव करते हैं। प्रधानमंत्री के जवाब में, शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष का वातावरण बिल्कुल अलग होता है, जिसमें गुरुत्वाकर्षण का अभाव एक प्रमुख कारक है। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या यात्रा के दौरान बैठने की व्यवस्था एक जैसी रहती है। श्री शुक्ला ने कहा – हाँ, यह एक जैसी ही रहती है। श्री मोदी ने आगे बताया कि अंतरिक्ष यात्रियों को एक ही सेटअप में तेईस–चौबीस घंटे बिताने पड़ते हैं। शुक्ला ने इसकी पुष्टि की और कहा कि अंतरिक्ष में पहुँचने के बाद, अंतरिक्ष यात्री अपनी सीटें और हार्नेस खोल सकते हैं, और कैप्सूल के भीतर स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या कैप्सूल में पर्याप्त जगह है। शुभांशु शुक्ला ने जवाब दिया कि हालाँकि यह बहुत विशाल नहीं था, फिर भी कुछ जगह उपलब्ध थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कैप्सूल लड़ाकू विमान के कॉकपिट से भी ज़्यादा आरामदायक लग रहा था। शुक्ला ने पुष्टि करते हुए कहा कि हाँ यह उससे भी बेहतर है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज एक हजार पांच सौ सात करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राजस्थान के कोटा–बूंदी में नया ग्रीन फील्ड

हवाई अड्डा विकसित करने के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। चंबल नदी के तट पर स्थित कोटा, राजस्थान की औद्योगिक राजधानी मानी जाती है। राजस्थान सरकार ने ए–तीन दो एक श्रेणी के विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा विकसित करने हेतु भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को चार सौ चालीस दशमलव शून्य छ हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की।

<><><><><><><>

पूर्व न्यायधीश बी सुदर्शन रेड्डी आई एन.डी.आई.ए गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे। इस तरह उपराष्ट्रपति पद का चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के बीच होगा। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अपनी नेत्री मार्गरेट अल्वा को खड़ा किया था। इस बार भी कई नाम पर चर्चा की सूचना थी, जिनमें तमिलनाडु के तिरुचि शिवा, अन्नादुरई से लेकर अन्य नाम थे। सुदर्शन रेड्डी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय एवं गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहने के बाद उच्चतम न्यायालय में भी न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वे मूलतः आंध्र प्रदेश के हैं।

<><><><><><><>

देहरादून के राष्ट्रीय भारतीय सैन्यकॉलेज में जनवरी दो हजार छब्बीस सत्र के लिए कक्षा आठ में प्रवेश के लिए लड़के और लड़कियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा सात दिसंबर दो हजार पच्चीस को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी को आर.आई.एम.सी में प्रवेश के समय अर्थात एक जुलाई, दो हजार छब्बीस को किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से कक्षा सातवीं में अध्ययनरत होना चाहिए या कक्षा सातवीं उत्तीर्ण होना चाहिए। अभ्यार्थी की आयु एक जुलाई दो हजार छब्बीस को ग्यारह से तेरह वर्ष के बीच होनी चाहिए या उनका जन्म दो जुलाई दो हजार तेरह से पहले और एक जनवरी दो हजार पन्द्रह के बाद नहीं होना चाहिए। आवेदन पत्र आर.आई.एम.सी, गढ़ी कैंट, देहरादून से प्राप्त किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस वर्ष तीन अक्टूबर को विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जाएगा। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर

देते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान अठारह अक्टूबर तक चलेगा। इसके साथ ही सरकार वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

<><><><><><><><>

सरकार अण्डमान तथा निकोबार बेसिन में कच्चे तेल और हाइड्रोकार्बन भंडारों का पता लगाने के लिए लगातार उपाय कर रही है जिससे देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दिया जा सके और आयात निर्भरता को कम किया जा सके। सरकार ने हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति की शुरूआत के बाद अण्डमान तथा निकोबार बेसिन में तेल और गैस अन्वेषण के लिए खुला रकबा लाइसेंसिंग नीति – एक्स के अंतर्गत चार ब्लॉक आवंटित किए हैं। इन ब्लाकों में अब तक तीन कुओं की खुदाई की जा चुकी है। भारत के हाइड्रोकार्बन संसाधन आकलन अध्ययन में अण्डमान तथा निकोबार बेसिन में तीन सौ इक्हत्तर मिलियन मीट्रिक टन तेल के बराबर के हाइड्रोकार्बन संसाधनों का अनुमान लगाया गया है। ए.एन बेसिन, अण्डमान तथा निकोबार बेसिन के चौराहे पर स्थित है, जो बंगाल–अराकान तलछटी प्रणाली का हिस्सा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

<><><><><><><><>

अमेरिका के व्यापारिक नियमों से समुद्री निर्यात प्रभावित नहीं : सरकार मत्स्यपालन राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बताया कि अमेरिका द्वारा लगाए गए स्वच्छता व स्थिरता संबंधी नियम केवल भारत पर नहीं, कई देशों पर लागू हैं। आंध्रप्रदेश सहित भारत के समुद्री खाद्य निर्यात पर प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, मांग और समझौतों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सी–रेंचिंग, आर्टिफिशियल रीफ्स और संरक्षण उपायों से मछुआरों की आजीविका सुरक्षित करने और निर्यात प्रतिस्पर्धा बनाए रखने पर काम कर रही है।

<><><><><><><><>

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बिस्वजीत बसु और न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय कुमार गुप्ता पच्चीस अगस्त से आठ सितम्बर तक पोर्ट ब्लेयर सर्किट कोर्ट में मामलों की सुनवाई करेंगे।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की त्वरित कार्रवाई से रंगत खाड़ी में बड़ा हादसा टल गया। मछली पकड़ने वाला ट्रॉलर एम.वी सर्वेश्वरन खराबी के कारण फँस गया था। पी.एम.एफ रंगत टीम (एस.आई अब्दुल लतीफ, हेड कांस्टेबल सैमसन और सी. समसूदीन) ने तुरंत कार्रवाई कर पाँच सदस्यीय दल को सुरक्षित निकाला और ट्रॉलर को रंगत बंदरगाह तक पहुँचा दिया। मुस्तैदी से की गई इस कार्रवाई ने संभावित समुद्री दुर्घटना को रोक दिया।

<><><><><><><>

शिक्षा विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आज सरकारी और निजी स्कूलों के अंडर–सेवेन्टीन लड़के और लड़कियों के लिए एक अंतर–विद्यालय रोड रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के कुल दो सौ पैंतीस लड़के और एक सौ तिरासी लड़कियों ने हिस्सा लिया। लड़कों ने दस किलोमीटर की दूरी तय की। जबकि लड़कियों ने पाँच किलोमीटर की दूरी तय की।

<><><><><><><>

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में रिक्त अट्ठारह सीटों पर प्रवेश के लिए परामर्श कल सुबह साढ़े नौ बजे कॉलेज के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों से निर्धारित तिथि और समय पर अपने मूल दस्तावेजों के साथ परामर्श में उपस्थित होने को कहा गया है।

<><><><><><><>